अमर उजाला
75 महोत्सव विश्वास का
• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण
राजधानी •
वर्ष 20 | अंक 335 | पृष्ठ : 16+4 | मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
बुधवार, 15 मार्च 2023
चैत्र कृष्ण-अष्टमी
विक्रम संवत-2079

क्रिकेट भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में स्मिथ संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की कमान...स्पोर्ट्स

दिल्ली-एनसीआर

तैयारी

एटीसी टावर नवंबर तक एयरपोर्ट अथॉरिटी को सौंपा जाएगा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

एयरपोर्ट का 35% काम पूरा, जल्द बढ़ेंगे 3400 श्रमिक

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के पहले चरण का काम 35 फीसदी पूरा हो गया है। अभी 2600 श्रमिक काम कर रहे हैं। काम की गति तेज करने के लिए इनकी संख्या 6 हजार तक की जाएगी यानी 3400 श्रमिक बढ़ाए जाएंगे। वहीं, अभी 400 से अधिक मशीनरी काम कर रही है। कुछ माह में यात्री टर्मिनल भवन, प्रशासनिक भवन, सीवेज और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स और बिजली सब-स्टेशन शुरू किए जाएंगे। नोएडा एयरपोर्ट को डिजिटल संसाधनों से लैस किया जाएगा। मंगलवार को कंपनी के अधिकारियों ने मौके का जायजा लेने के बाद यह जानकारी दी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा.लि. के सीईओ क्रिस्टॉफ श्रेलमैन और सीओओ किरण जैन ने बताया कि यहां पर एटीसी टावर, रनवे और टर्मिनल भवन का एक साथ काम चल रहा है। एटीसी टावर को तैयार करके नवंबर तक एयरपोर्ट अथारिटी को सौंपा जाना है। 40 मीटर ऊंचे एटीसी टावर से एयरपोर्ट का 360 डिग्री व्यू मिलेगा। यहां से रनवे, एप्रॉन और टैक्सीवे देख सकेंगे। टर्मिनल भवन की नींव का काम पूरा काम हो चुका है और अब ऊपरी सतह पर निर्माण हो रहा है। तय समय में काम पूरा किया जाएगा। पहले चरण के निर्माण में अब तक 14 हजार टन स्टील, 32,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया है। अब तक यहां पर 42 लाख घंटे काम हो चुका है। रनवे की छह परत पूरी हो गई हैं। अब अंतिम परत का काम शुरू होगा। इसके बाद लाइटिंग का काम किया जाएगा।

एयरपोर्ट पर मल्टीमॉडल कार्गो हब (एमएमसीएच) का विकास करने के लिए एआईसेट्स को चुना गया। 80 एकड़ भूमि पर फैला कार्गो हब देश के निर्माण केंद्रों से तेजी, सुविधाजनक और इंटरमॉडल साधन प्रदान करेगा। यात्री टर्मिनल की सीढ़ियों में वाराणसी और हरिद्वार के घाटों की झलक दिखाई देगी।

सबको पीछे छोड़ देगा एयरपोर्ट

एयरपोर्ट का निर्माण 4 चरण में किया जाएगा। पहला चरण 2024 तक पूरा होगा। इसमें 1,334 हेक्टेयर जमीन का विकास होगा। दूसरे चरण में 1,365 हेक्टेयर जमीन का विकास होगा। दूसरा चरण साल 2032 तक पूरा होगा। तीसरा चरण 2037 और चौथा चरण 2050 तक पूरा होगा।

पुराने पेड़ों से बनाया वन

एयरपोर्ट पर पहले से लगे पेड़ों को हटाना पड़ा था, लेकिन कंपनी इन पेड़ों को फिर से स्थापित करते हुए आठ हेक्टेयर जमीन पर वन क्षेत्र बना रही है। उड़ान के समय इंतजार करने वाले यात्री यहां पर समय बिता सकेंगे। ग्रीन एयरपोर्ट बनने से 100 प्रतिशत ईवी चार्जिंग आदि की सुविधाएं दी जाएंगी। यहां पर सौर उर्जा, पवन और हाईड्रोइलेक्ट्रिक जैसे संसाधनों से बिजली का उत्पादन करेगा।